अब भारत लौटकर आ रही हैं पेशेवर प्रतिभाएं

भारत के आलोचक आरोप लगाते रहते हैं कि भारत के प्रतिभावान लोग आर्थिक संकट के कारण भारत छोड़ देते हैं। लेकिन आज ऐतिहासिक 'ब्रेन-ड्रेन' (प्रतिभा पलायन) भारत के लिए 'ब्रेन-गेन' (प्रतिभाओं की प्राप्ति) में परिवर्तित होने लगा है।

प्रतिभाओं के लौटने का कारण -

क्यों भारतीय उद्यमी अमेरिका में अपना करियर बनाने के बाद भारत में निवेश कर रहे हैं और भारत लौट रहे हैं -

- उन्हें विदेश से प्रतिभाओं को नियुक्त करना पड़ता था और जटिल वीजा प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था।
- इमिग्रेशन विरोधी भावनाओं और नौकरशाही की लेटलटीफी के कारण समय पर टीम नहीं बना पाते थे।
- लेकिन अब भारत में उच्च-कुशल टैलेंट पूल का होना तथा अनावश्यक लालफीताशाही न होने के कारण अपने रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑपरेशन को भारत स्थानांतरित कर रहे है।
- कम लागत तथा तकनीकि स्किल का अच्छा होना।
- वैश्विक क्षमता केंद्रों के कारण इंजीनियरिंग, R&D तथा इनोवेशन के कारण उच्च प्रतिभाशाली लोगों का होना, जिससे प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती है।

- भारत का एक हिस्सा विकसित है; जैसे- बेंगलूरू, पुणे, गुडगांव जैसे शहर। जबकि एक हिस्सा विकासशील है और एक हिस्सा अभी भी पिछड़ा है। भारत की यह स्थिति विदेशी मानकों जैसे- प्रति व्यक्ति आय तथा मानव विकास सूचकांक के आधार पर तय होती है। विदेशों में रहकर काम करने वाले भारतीय इसे समझते हैं।
- जब यहाँ की आर्थिक नीतियों के कारण जटिलवाएं थी तो ब्रेन-ड्रेन हुआ था, लेकिन अब स्थिति अच्छी है। इसीलिए 'रिवर्स ब्रेन-ड्रेन' में तेजी आई है। इससे इनोवेशन इकोनॉमी को प्रोत्साहन मिला है।

*****